दिनांक 12/4/2020

Class - 8

संवाद-लेखन

संवाद का अर्थ → 'बातचीत' या 'वार्तालाप'। दो व्यक्तियों के बीच किसी विषय पर हुई बातचीत को संवाद-लेखन के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

संवाद - लेखन के संबंध में ध्यान रखने योग्य बिंदु

→ (i) संवाद छोटे तथा रुचिकर होने चाहिए।

→ (ii) उनमें बनावटीपन नहीं होना चाहिए।

→ (iii) दो व्यक्तियों के संवाद में परस्पर क्रमबद्धता होनी चाहिए।

→ (iv) संवाद की भाषा पात्रानुकूल तथा विषयानुकूल होनी चाहिए।

→ (v) संयुक्त और मिश्र वाक्यों से बचना चाहिए।

उदाहरण के लिए → उदाहरण - 1

संवाद- लेखन

⇒ वार्षिक परीक्षा की तैयारी के संबंध में पिता-पुत्र के बीच हुई वार्तालाप।

पिता – मानव, तुम्हारी वार्षिक परीक्षा की तैयारी कैसी चल रही है?

मानव – ठीक चल रही है, पिता जी। मैं रोज सुबह पाँच बजे जागकर पढ़ाई करता हूँ।

पिता - क्या तुम्हें किसी और पुस्तक की आवश्यकता है।

मानव – नहीं, पिता जी। मुझे किसी पुस्तक की आवश्यकता नहीं है।

पिता – तुम्हें किसी विषय में कोई समस्या तो नहीं है

मानव – मुझे गणित विषय में थोड़ी समस्या है, पिता जी

पिता – तुमने मुझे पहले क्यों नहीं बताया?

मानव - मैं सोच रहा था कि मैं स्वयं अपनी समस्या दूर कर लूँगा।

Scanned with CamScanner

Class- IX

③

अभ्यास कार्य

→ निम्नलिखित विषयों पर लगभग 50 शब्दों में संवाद लिखिए –

1. नियमित व्यायाम से होने वाले लाभ के बारे में दो मित्रों के बीच संवाद लिखिए।

2. विद्यालय के सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने के संबंध में दो छात्रों के बीच हुआ संवाद लिखिए।

3. किन्हीं तीन विषयों पर संवाद-लेखन कीजिए। (अपनी इच्छानुसार विषय का चुनाव करके)

2020-4

Scanned with CamScanner

Class -IX

उदाहरण -2

उदाहरण के लिए

(2)

संवाद लेखन

शीर्षक :-

ताजमहल की सैर को लेकर मित्रों के बीच संवाद -

(सभी मित्र तांगे मे बैठकर आगरा स्टेशन से चलते है और ताजमहल के सामने आकर उतरते है)

सब : (खुश होकर) अरे, वाह! कितना सुंदर और भव्य है यह ताजमहल।

रचना : यह तो सारा-का-सारा सफ़ेद संगमरमर का बना हुआ है।

अनुभव : दीदी, तुम तो पहले भी यहाँ आ चुकी हो। हमें ताज के बारे मे सब कुछ बताओ ना।

श्रेया : हाँ, हाँ, तुम पूछो, मैं सब बताऊँगी।

विशाल : यह तो बहुत ही सुंदर है- इसे किसने बनवाया था?

श्रेया : यह मुगल सम्राट शाहजहाँ ने बनवाया था।

रचना : किसलिए दीदी?

श्रेया : अपनी बेगम मुमताज़ महल की मृत्यु के बाद उसकी याद मे बनवाया था।

रचना : हाँ दीदी ये ताजमहल इतना सुंदर है कि इसकी जितनी भी तारीफ़ की जाए उतनी ही कम है।

नोट → इस उदाहरण के आधार पर आप सभी को दिए गये शीर्षक और अन्य संवादो को लिखना है।

Scanned with CamScanner